

मुख्य समाचार

नाहिंदा खान रोजका मेव पंचायत की कार्यवाहक सरपंच नियुक्त



जूबैर खान, पब्लिक एशिया

नूह » इंडी के गांव रोजका मेव में बीते दिनों एक धांधली का मामला आया था, इसके बाद ग्राम पंचायत रोजका मेव के सरपंच को बर्खास्त कर किया। सरपंच के बर्खास्ती के बाद तीन बार कार्यवाहक सरपंच का चुनाव स्थगित हुआ था। सोमवार को एक बार फिर कार्यवाहक सरपंच के लिए इंडी ब्लॉक में चुनाव हुआ। चुनाव में द्वितीय मजिस्ट्रेट नूह के एसडीएम अश्विनी कुमार को लगाया गया। सरपंच के समय ब्लॉक में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात की गई। तैनात के समय नाहिंदा को 8 बोट मिली। वर्तीं विषय का कोई भी मेव चुनाव के समय खंड कार्यवाली नहीं पहुंचा। इसीलिए द्वितीय मजिस्ट्रेट ने सभी आठ मीजूद पंचायत मेवों के साइन काउन्सर पंचायत रजिस्टर नाहिंदा सरपंच को सौंप दिया। बात दो तो कि रोजका मेव पंचायत में 13 पंच हैं जिनमें से सोमवार जाये तो पंजाब दालों के गंवा लिया है परन्तु फिर भी यह दशा में द्वितीय हरित कीटी होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज के किसान कपास और मक्के को तरीं अपना सकते हैं, आर उनको इस फसलों का एम. एस. पी. मिलो। उन्होंने कहा कि इन फसलों का यकीनी मंडीकरण किसानों को फसलों विभिन्नता के लिए उसकीत कर सकता है। भागवत मिश्न मान ने कहा कि इस विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया था और इस सम्बन्धी गरमी मार्गी गई और कहा गया कि इन फसलों को बढ़ावा देने के लिए लाभदायक होगा। उन्होंने कहा कि यह देश में मदरसों के विविधता को बढ़ावा देने में मदरसे करार चालक को गिरफ्तार कर दिया। गिरफ्तार के बाद चुनाव प्रीया शुरू हुई और नाहिंदा खान को वोटिंग के बाद रोजका मेव पंचायत की कार्यवाहक सरपंच का चार्ज सौंपा गया। चुनाव जीतने के बाद नाहिंदा खान नवनियुक्त सरपंच के पति ने कहा कि गांव में विकास कार्यों को बिना किसी भेदभाव के कराया जाएगा। सरकार व प्रशासन के दिशा निर्देशनुसार कार्य कराएं जाएं। ग्रामीणों की सभी समस्याओं का समाधान करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

जालंधर में दो सौ ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

एंजेंसी

जालंधर » पंजाब में जालंधर के पुलिस अयुक्त स्पष्टन शर्मा ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने 200 ग्राम हेरोइन के साथ एक अपाराधी को गिरफ्तार करके बरामद किया है। इसके बाद उन्होंने बताया कि पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि शहर में नरीली दवाओं की तरकीब में शामिल एक गिरोह सक्रिय है। इसके बाद उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत जार चालक को गिरफ्तार कर दिया। गिरफ्तार के बाद चुनाव प्रीया शुरू हुई और नाहिंदा खान को वोटिंग के बाद चुनाव जीतने के बाद नाहिंदा खान नवनियुक्त सरपंच के पति ने कहा कि गांव में विकास कार्यों को बिना किसी भेदभाव के कराया जाएगा। सरकार व प्रशासन के दिशा निर्देशनुसार कार्य कराएं जाएं। ग्रामीणों की सभी समस्याओं का समाधान करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

जालंधर में एसजीपीसी चुनावों के लिए 90 हजार से अधिक मतदाताओं ने पंजीकरण : विशेष सारंगल

एंजेंसी

जालंधर » पंजाब के जालंधर के पुलिस अयुक्त स्पष्टन शर्मा ने अपने पंजीकरण के लिए अब तक 90032 वार्ता लोगों ने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। मतदाता पंजीकरण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए, डिप्टी कमिश्नर (डीपी) विशेष सारंगल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्होंने कोई भी पात्र मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराए बिना न छोड़े। उन्होंने आगे कहा कि मतदाताओं को आगामी एसजीपीसी चुनावों के लिए पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए जिले भर में विशेष शिक्षियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्होंने कोई भी पात्र मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराए बिना न छोड़े। उन्होंने यह भी बताया कि सभी खड़े विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) गांवों में सार्वजनिक घोषणाएं सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग एसजीपीसी चुनावों के लिए मतदाता के रूप में पंजीकरण कर सकें। डीपी ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता पंजीकरण की कावयान को विशेष शिक्षियों को जिले में बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया मिली है और अब तक 85,000 से अधिक लोगों ने अपने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। जिले में छह एसजीपीसी निवाचन क्षेत्र हैं जिनमें फिल्हाल, नक्कदर, शाहकोट, अदमपुर, जालंधर शहर और करातरगढ़ शामिल हैं। प्रशासन ने एसजीपीसी चुनावों के लिए अधिकतम मतदाताओं का पंजीकरण करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी खड़े विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) गांवों में सार्वजनिक घोषणाएं सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग एसजीपीसी चुनावों के लिए मतदाता के रूप में पंजीकरण कर सकें। उन्होंने सिख संगठनों से मतदाताओं के रूप में पंजीकरण के संबंध में लोगों को जागरूक करने का भी आग्रह किया।

हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में हिमपात

एंजेंसी

शिमला » हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में रविवार रात से हिमपात जारी है और कई स्थानों पर हल्की आंधी चली। राज्य के बाबकी हिम्मों में आशिक रूप से बालू छाए हुए हैं। शिमला मौसम कार्यालय के अनुसार लालौर-स्पीटी जिले के कुकमसेरी में 50 सेमी तक हिमपात हुआ, जिला मुख्यालय केलांग में 15 सेमी और डिल्ली के 2.8 डिमी, अर शिमला 7.2 डिमी (सामान्य से 3.8 डिमी ऊपर), हवाई अड्डा भुटर 6.5 और जुहूबाटी में तापमान 9.4 डिमी सेल्सियस रहा। प्रीमियम और बिलासपुर में तापमान 11.2 डिमी सेल्सियस, कांगड़ा में 13.8 डिमी सेल्सियस (सर्वसे गर्म), बम्बा और ऊना में 9.5 डिमी सेल्सियस रहा। राज्य में दो पश्चिमी विशेष, एक चक्रवाती परिवर्षीय और उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हवाओं के कारण आगे 24 घंटों में कई रुटे की राज्य में बहुत भारी बारिश आयी औलोवाटे के असार जाते गये हैं। मौसम विभाग ने राज्य में बहुत भारी बारिश या औलोवाटे के असार जाते हुए रेड अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग ने 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। अपले 24 घंटों में राज्य में अलग-अलग स्थानों पर गर्ज-चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं।

हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में हिमपात

एंजेंसी

शिमला » हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में रविवार रात से हिमपात जारी है और कई स्थानों पर हल्की आंधी चली। राज्य के बाबकी हिम्मों में आशिक रूप से बालू छाए हुए हैं। शिमला मौसम कार्यालय के अनुसार लालौर-स्पीटी जिले के कुकमसेरी में 50 सेमी तक हिमपात हुआ, जिला मुख्यालय केलांग में 15 सेमी से 2.8 डिमी, अर शिमला 7.2 डिमी (सामान्य से 3.8 डि�मी ऊपर), हवाई अड्डा भुटर 6.5 और जुहूबाटी में 11.2 डिमी सेल्सियस रहा। प्रीमियम और बिलासपुर में तापमान 9.4 डिमी सेल्सियस, कांगड़ा में 13.8 डिमी सेल्सियस (सर्वसे गर्म), बम्बा और ऊना में 9.5 डिमी सेल्सियस रहा। राज्य में दो पश्चिमी विशेष, एक चक्रवाती परिवर्षीय और उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हवाओं के कारण आगे 24 घंटों में कई रुटे की राज्य में बहुत भारी बारिश आयी औलोवाटे के असार जाते गये हैं। मौसम विभाग ने राज्य में बहुत भारी बारिश या औलोवाटे के असार जाते हुए रेड अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग ने 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। अपले 24 घंटों में राज्य में गर्ज-चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं।

दालों पर एमएसपी देकर अरबो डालर की

विदेशी मुद्रा बचाई जाए : भगवंत मान

नईम खान, पब्लिक एशिया

हिंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक फसलों पर न्यूतम समर्थन मूल्य (एम. एस. पी.) की गारंटी भी मार्गदर्शित की है। अर्जुन मुंडा और नियानन्द राजा और अलग-अलग किसान विभिन्नों के मीटिंगों के बाद प्रबलकरों के साथ बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा कि यह आयात दो अरब डालर से अधिक है और आर एस फसल के लिए न्यूतम समर्थन मूल्य दिया जाये तो पंजाब दालों में देश में आगे आयोगी हो सकता है। भगवंत सिंह का राज्य के लिए न्यूतम समर्थन दिया जाएगा।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी कारण कि राज के किसान को बदल कर सकते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी कारण कि उन्होंने में देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होने के साथ-साथ किसानों को धन के चक्रवार में से बालू निकालने के साथ बदल कर दी गई है, जिससे उन्होंने कहा कि इन दिनों परीक्षाएं पर बदल रही हैं और अनेकालन बदलाव की राजी है। एवं प्रतेक एक रुपये के लिए न्यूतम समर्थन मूल्य दिया जाएगा। इन दिनों के लिए उन्होंने कहा कि यह भी कारण कि उन्होंने में देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होने के साथ-साथ किसानों को बदल कर सकते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी कारण कि उन्होंने में देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होने के साथ-साथ किसानों को बदल कर सकते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी कारण कि उन्होंने में देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होने के साथ-साथ किसानों को बदल कर सकते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी कारण कि उन्होंने में देश के विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होने के स

मुख्य समाचार

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का दिखाया प्रसारण



पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। नगरपालिका कार्यालय पर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का प्रसारण दिखाया गया। सोमवार को नगरपालिका के सभाकक्ष में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के शुभार्थ को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष शमशाद अमदवाद व एसडीएम व अतिरिक्त प्रभारी ईओ व्यञ्जित कुमार यादव की मौजूदगी में शुभार्थ कार्यक्रम का प्रसारण दिखाया गया। भास्या नेता दीपक चंद्रा, अंतुल मित्रल व सफाई लिपिक रविंद्र कुमार के अतिवाय पालिकाकर्मी व सभासदागण मौजूद रहे।

हमले के नामाले में कार्टवाई की मांग

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। चार दिन पूर्व हमला कर धायल करने के माले में पीड़ित पक्ष ने एसपी को पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्टवाई की मांग की है। आवं इसापुरु खुरान निवासी नौशंद ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ एसपी को शिकायती पत्र दिया। बताया कि वह गत 15 फरवरी की रात करीब आठ बजे घरेलू सामान लेने के लिए गांव में ही दुकान पर जा रहा था। आरोप है कि तभी गांव आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उस पर लाती - डॉल्व व धरदार हथियारों से हमला कर दिया। उसे बचाने के लिए परिवार के जबदीन, कट्टूम, वादिल व अमदवाद आए, तो उनके साथ भारपीट कर धायल कर दिया गया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि मुख्याली के शक में भक्ति करावा किया गया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्टवाई कराए जाने की मांग की गई है।

दिवंगत अधिवक्ता को दी श्रद्धांजलि

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। अधिवक्ता के निधन पर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने उन्हें द्रढांजलि दी। रविवार को गांव इसापुरु खुरान निवासी युवा अधिवक्ता सखावत अली का हरियाणा में रितेदारी में हृदयगति रुकने से निधन हो गया था। उनके निधन पर सोमवार को बार भवन में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बत्तम सिंह की अध्यक्षता व महासचिव नीसी अहमद के संचालन में शोकसभा की गई, जिसमें दो मिन्ट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईर्षय से प्रार्थना की गई। इसके साथ ही अधिवक्ता न्यायिक कार्यों से विरत रहे।

सड़क हादसे में युवक घायल

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। रविवार रात साढ़े नौ बजे शामली रोड पर सोनू निवासी शामली की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर कर मार दी, जिसमें वह घायल हो गया। घायल को राहीरों की मदद से उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस भर्ती परीक्षा नियरस्ट कराने की मांग



पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। पुलिस अक्षरी भर्ती परीक्षा को नियरस्ट कराने की मांग को लेकर अध्यक्षियों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। सोमवार को दीपक चंद्रा, नीराम चौहान, सादिक आदि ने तहसील मुख्यालय पर महामहिम राष्ट्रपति के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन पर सौंपा। ज्ञापन में बताया कि वह काफी दिनों से बने - डॉल्व एसपी की तैयारी कर रहे हैं। वह शिक्षित होने के बावजूद बोर्डर जागरा है। हाल ही में ही संपर्क हुई उप पुलिस अक्षरी भर्ती परीक्षा नियरस्ट कार्यालय के कार्यालय उपरान्त उपचार उत्तरका अधिकारी ने ज्ञापन पर सौंपा।

शादी में बंजा डीजे, पथराव की सूचना पर दैड़ी पुलिस

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। शादी समारोह के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मौके पर पथराव की सूचना पर पुलिस में हड्डकंप मच गया। मामला कहासुनी का पाए जाने पर पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करा दिया। सोमवार को गांव बराल में बांदा आई हुई थी। इस दौरान डीजे पर कृष्ण युवक डांस कर रहे थे। जबकि एक पक्ष द्वारा डीजे को तेज आवाज में बजाने का विरोध किया। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि शादी में डीजे को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया और पथराव हो रहा है, जिस पर पुलिस में हड्डकंप मच गया। अनान् - ज्ञापन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहाँ मामला कहासुनी का पाया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा - बुझाकर मामले को शांत करा दिया।

आपूर्ति नियीक्षक पर अभद्रता का आरोप

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

कैराना। एक युवक ने आपूर्ति नियीक्षक पर अभद्रता कराने का आरोप लगाया हुए मुख्यमंत्री के नाम शिकायती पत्र भेजा है। मोहाम्मद पट्टूवाला निवासी पुनीत कुमार ने मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए शिकायती पत्र में बताया कि उसने अपने परिवार का नया राशन कार्ड बनवाने के लिए आपूर्ति खाद्य एवं रसद विभाग के तहसील केराना में स्थित कार्यालय में कागजात जमा कराया थे। कागजात जमा कराने के कार्यालय से बांदा बालू देर तक भी प्राप्त नहीं हुआ।

धूमधाम से निकली कलश यात्रा, गुंजा जयकारा



गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा में भवित का माहौल बना रहा।

शाहनगाज सोनू पब्लिक एशिया

मीरापुर। कस्बा मीरापुर में मुक्तजामपुर रोड स्थित बाला जी मन्दिर में नौ दिवसीय श्रीमद्भगवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसका शुभार्थ सोमवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा किया गया और जलपान भी कराया गया था। कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा किया गया और जलपान भी कराया गया था।

आगे-आगे शोभा यात्रा में शामिल लोग अबीर-गुलाल डूड़ा हैं थे, जो पीछे कलश लिए पहलाइ और बढ़ा रही थीं। कलश यात्रा पर जाह-जगह पुष्प वर्षा की गई वही कलश यात्रा का जगह है। जिसका शुभार्थ सोमवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा किया गया और जलपान भी कराया गया था।

गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा में भवित का माहौल बना रहा।

मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

पब्लिक एशिया व्हीड़ियो

मामूले पर आकर हंगामा शुरू किया। विवाद बढ़ जाने के बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। जिसमें सोमवार के दीरान महरुनिशा, वर गांव सहित दो महिला अलग अलग पक्ष से घायल हो गई। घायलों ने अपना उपचार कराने के तरीके देकर करार्वाही की मांग की है।

नईबस्ती निवासी सोमवार के दीरान महरुनिशा, वर गांव सहित दो महिलाओं दोनों पक्षों को लेकर चले और यात्रा वापस वर्षा वर्षा के बाद तरफ वातावरण में जयकार की गूंज सुनाई पड़ रही थी। दोपहर में धूमधाम से कलश यात्रा के बीच निकली कलश यात्रा गई। भक्ति गीतों के बीच

आगे-आगे शोभा यात्रा में शामिल लोग अबीर-

गुलाल डूड़ा हैं थे, जो पीछे कलश लिए पहलाइ और बढ़ा रही थीं। कलश यात्रा पर जाह-जगह पुष्प वर्षा की गई वही कलश यात्रा का जगह है। जिसका शुभार्थ सोमवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा किया गया और जलपान भी कराया गया था।

गाजे-बाजे के बीच निकली कलश यात्रा में भवित का माहौल बना रहा।

उधोग लगाने से बढ़े दोजगार, प्रदेश से व्यापारियों में खत्म हुआ भय का माहौल



शाहनगाज सोनू पब्लिक एशिया

प्रुकार्जी। नगर पंचायत में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-ओडोगिक विकास परियोजना के सुधारमध्य के लाइव कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रमोट उंटवाल मुख्यालिंगिक रूप में रहे हैं इस दीरान उन्होंने कहा कि उधोग लगाने से बढ़े दोजगार व्यापारियों के बीच निकली कलश यात्रा का जगह है।

नगर पंचायत एवं मुख्यमंत्री ने व्यापारियों के बीच निकली कलश यात्रा का जगह है। दोपहर में धूमधाम से कलश यात्रा का जगह है।

कार्यक्रम को सामुदायिक प्रभावित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा बड़ी स्कैनर में व्यापारियों के बीच निकली कलश यात्रा का जगह है। जिसका शुभार्थ सोमवार को कराया गया है।

कार्यक्रम को सामुदायिक प्रभावित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा बड़ी स्कैनर में व्यापारियों के बीच निकली कलश यात्रा का जगह है। जिसका शुभार्थ सोमवार को कराया गया है।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें खोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में कापी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह उन्हिंगा भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन विश्वासों से पहाड़ियों से डल झील जम्प कश्मीर की दृश्य मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखेने न जाएं ऐसा ही ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य स्थ से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकरण का क्रंद है यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील की घटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गारीबल, लोटुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में स्थ लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधार के मध्य में सोना लंक स्थित है। नवस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुनिया कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि काव्याकिंग, केनेंग डोंगे।

पानी पर सफिंग करना व एंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और जावा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वासित झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावितभूत हो जाते हैं।

शिकार के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानूनरु खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। ब्रह्मानुओं के लिए हंजरबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकार के माध्यम से ब्रह्माल इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकार पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीदार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।



कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बड़गाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजरीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एन-एच-ए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बाहर घटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के धने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने को पसंद बौद्ध धर्म से बिले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को पसंद है। धर्मशाला में झाने व सुनने जगते इस जगह को सभी को पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन बिटिंग काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतीयों को संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल लहास के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा है। इसे 1850 में अंग्रेजों ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 जिलों से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार कराया था।

गरी, तिब्बती, टेक्के, ट्रूसिट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बैठे उपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडिंग ज में दर्लाल लामा का ब्रह्माण्ड प्रदेश के धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला के सैलानियों का पसंदीदा है। इसे लिटल लहास के नाम पर बनाया गया। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मूँ को एक ठराव देती हैं। एंस में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अशुग्र है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे, धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भवान बुजू की ताबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर बिंदु आना होता नहीं है। अगर आप मेंटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेंटेशन सेंटर में मोनेस्ट्री द्वारा दी जाने वाली कृतार्थी जॉइन

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झारनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गाना है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गाना है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

ज

बदले की मावना से खयं का नुकसान

जब कभी भी आप अपने क्रोध का कठीब से निरीक्षण करेंगे तो पाएंगे कि इसके मूल में आपके आत्मसम्मान या अभिमान में लगी टेस, सपनों का टूटना या कोई ऐसा ही कारण रहा होगा, जिससे आप हतप्रभ रह गए होंगे।



हालांकि ये कारण ऐसे हैं, जिनसे बिना क्रोध किए भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध करने करते हैं? हम सभी के पास कुछ न कुछ ऐसा है, जिसे हम एक-दूसरे को जाने वाली ही दे सकते हैं। यह कुछ आखिर है क्या, जिसे किंतु अपरिचित को भी दिया जा सकता है। क्या नुकसान की आशंका में इससे कोई तनाव उत्पन्न नहीं होगा? आपको आशर्य होगा, लेकिन यह सच है कि इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि आपके अंतर्मन में पहले से मौजूद तनाव भी कहीं तिराहित हो जाएगा। आज हर कोई युग्मे से पागल हुआ जा रहा है। बचे-बूढ़े भी इससे अछूत नहीं हैं।

क्रोध है शैतान

दरअसल, क्रोध एक ऐसी समस्या है, जिसकी तुलना शैतान से की गई है। इसका सबंध सिर्फ तुरी भावनाओं या मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता से भी है। हॉरेस के अनुसार क्रोध क्षणिक पागलपन है, जबकि थॉमस पूयूलर इसे समझ में उत्तराणन मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि क्रोध के दृष्टिरूपों से डिक्कर हम इसका दमन शुरू कर दें। क्रोध का दमन अक्सर गंभीर परिणामों को जन्म देता है, जिससे क्रोध करने वाला तो प्रभावित होता ही है, कई निर्दोष भी प्रभावित हो जाते हैं। हम अचानक ही एक दिन में क्रोध करना नहीं छोड़ सकते। क्रोध पर नियंत्रण एक क्रमिक प्रक्रिया है। क्रोध पर नजर रखते हुए इसकी तीव्रता को धीरे-धीरे ही कम किया जा सकता है। अरस्तु के अनुसार क्रोध कोई भी कर सकता है। यह बहुत आसान है, लेकिन सही समय, सही कारण, सही व्यक्ति व सही दिशा में इसका प्रक्षेपण आसान नहीं है।

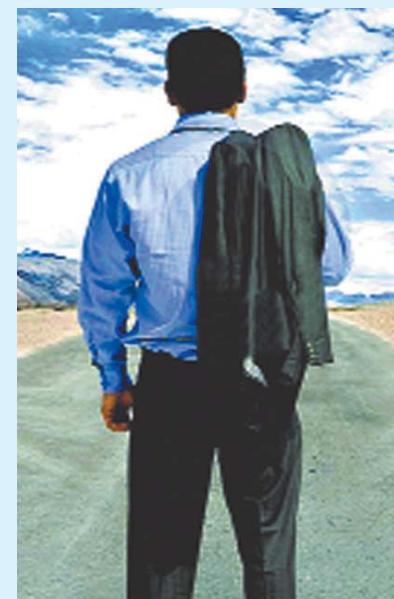
निंदा से बचें

क्रोध से दूर रहने की पहली शर्त यह है कि आप निर्दोष व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की निंदा से बचें। फिर भी यदि आपको गुस्सा आता है तो इसका प्रदर्शन सतही ही रखें। मन में बदले की भावना न रखें। इसके लिए अपनी उत्तराणनाओं और कारणों को महत्व न दें, जो आपको क्रोध की निंदा में जलने के बोरे भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध करने के बाद वह क्या है? क्रोध पर नियंत्रण करना आप आसानी से सीख सकते हैं और अभ्यास के द्वारा इसमें महारत भी हासिल कर सकते हैं। यदि आप जीवन में अपराध व हिंसा से मुक्त रहने की कोशिश करें तो इस संसार में काफी कुछ बदला जा सकता है। हम और यादा रचनात्मक हो सकते हैं। इसके लिए क्रोध करना जल्दी नहीं है। यदि कुछ जरूरी ही तो वह है अपनी मानवीय भावनाओं को सिर्फ उजागर करना।

जानिए रुद्राक्ष के वैदिक रहस्य...

ग्राहमुखी रुद्राक्ष को साकाश रुद्र माना जाता है। यह 11 रुद्रों एवं भगवन शंकर के ग्यारहवें अवतार सकटमोचन महावीर ज्ञानगती का प्रतीक है। इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सांसारिक ऐश्वर्य और सतान सुख प्राप्त होता है और उसकी सारी ऊपरी वाधाएं दूर होती हैं। तेरहमुखी रुद्राक्ष साकाश इन्द्र का स्वरूप है। यह कारिंग के समान सप्तरात्मक प्रकार के ऐश्वर्य देता है और कामनाओं की पूर्ति करता है। इसे धारण करने से व्यक्ति सभी प्रकार की धूमधूमों का अशुभ प्रभाव भी नहीं पड़ता है। आपने धारण करने से वर्षर ग्रहों का अशुभ प्रभाव भी नहीं पड़ता है। इसे पहनने वाले को सर्पादि विश्वधारी प्राणियों का भय नहीं होता है।

ग्राहमुखी रुद्राक्ष को जनर्दन स्वरूप कहा गया है। इसे धारण करने से भूत, पिशाच आदि का भय नहीं रहता। ग्राहमुखी रुद्राक्ष धारण करने से वर्षर ग्रहों का अशुभ प्रभाव भी नहीं पड़ता है। इसे पहनने वाले को सर्पादि विश्वधारी प्राणियों का भय नहीं होता है।



सबसे आसान रास्ता

एक बार एक डाकू एक संत के पास आया और बोला, महाराज। मैं अपने जितने से परेशान हो गया हूं। जाने कितनों को मैंने लूटकर दुःखी किया है, उनके घरों को तबाह किया है। मुझे कोई रास्ता बताइए, जिससे मैं इस बुराई से बच सकूँ।

संत ने बड़े प्रेम से कहा, बुराई करना छोड़ दो, उससे बच जाओगे। डाकू ने कहा, अच्छी बात है। मैं कोशिश करूँगा। डाकू चला गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर लौटकर आया और संत से बोला, मैंने बुराई को छोड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन छोड़ नहीं पाया। अपनी आदत से मैं लाचार हूं। मुझे कोई रास्ता बताइए।

संत ने थोड़ी देर सोचा, फिर बोले, अच्छा, ऐसा करो कि तुम्हारे मन में जो भी बात उठे, उसे कर डालो, लेकिन प्रतिदिन उसे दूसरे लोगों से कह दो। संत की बात सुनकर डाकू को बहुत खुशी हुई। उसने सोचा कि इन्हें बड़े संत ने जो मन में आए, सो कर डालने की आज्ञा दे दी है। अब वह बेधक डाका डालेगा और दूसरों से कह देगा। यह बहुत ही आसान है। वह उनके चरण छूकर लौट गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर संत के पास आया और बोला, महाराज! आपने मुझे जो उपाय बताया था, उसे मैंने बहुत आसान समझा था, लेकिन वह निकला बड़ा कठिन। बुरा काम करना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक मुश्किल है दूसरों के सामने अपनी बुराईयों को कहना। फिर थोड़ा ठहरकर वह बोला, दोनों में से अब मैंने आसान रास्ता चुना है। डाका डालना ही छोड़ दिया है।

हमारा जीवन भगवान की अद्भुत सृष्टि है।

परमात्मा ने हमारे जीवन को कर्मभूमि के रूप में विकसित किया है।



माता-पिता का प्रभाव

थुक्क आत्माओं का मनन करें

संसार में जितने भी धर्म हैं सभी चरित्र का पाप दढ़ाते तो हैं किंतु चरित्र की सुकृता का उत्तरी गंभीरता से विचार नहीं करते जितना जैन दर्शन में किया जाता है। जैन धर्म चरित्र प्रधान धर्म है। जिसमें चरित्र की ही पूज्यता है, मान्यता है। चरित्र बिना ज्ञान कागज के फूल के समान खुशबू राहत है। यही कारण है कि जैन धर्म के मूल भूमिकार में भी किसी व्यक्ति विशेष को नमस्कार कर उन सभी भव्य आत्माओं को नमस्कार करता है। जिन्होंने अपने चरित्र की उत्कृष्टता, पवित्रता एवं उत्तमता के कारण परमात्मा तत्त्व की प्राप्ति की है अत्थवा वर्तमान में जो भी इस मार्ग को अपनाकर चरित्र शुद्धि के मार्ग में अग्रसर हो, वे ही पूज्य हैं।

आत्म तत्त्व की शवित

जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक प्राणी की अपनी खत्तर सत्ता है, यह वर्ष मनुष्य ही, देव नारीका अथवा इत्यादि वर्ष अपनी शृद्धि के शवित की अपेक्षा से सभी जीव समान हैं। आत्मतत्त्व की शवित का अपेक्षा से सभी जीव समान हैं। चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होकर ही यह किंतु चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होता है। बाबाना भाता है, तदनुरूप संयम तथा त्याग का मार्ग अपनाता है। अपने गुरुजनों से धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा पाता है।

चरित्र ही मनुष्य के जीवन की अनन्मोल थाती है। चरित्रविहिन मनुष्य पथु तुल्य होता है।

उत्कृष्ट बनाना है। इन्हीं भावनाओं को भाने के लिए चरित्र में लाने के लिए यह दशलक्षण महापूर्व मनन्या जाता है। इन दस दिनों में धर्म के खरूप के माध्यम से प्रत्येक श्रावक खर्षण्य अपनी शृद्धि का अवलोकन करता है। अपनी सभी बुराईयों का विनाश करता है तथा उन्हें दूर करने में प्रयासरत होता है, बाबाना भाता है, तदनुरूप संयम तथा त्याग का मार्ग अपनाता है। अपने गुरुजनों से धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा पाता है।

उत्कृष्ट प्रधान होता है। इन्हीं भावनाओं को भाने के लिए चरित्र

त्याग का मार्ग कठिन

त्याग का मार्ग वस्तुतः कठिन प्रतीत होता है। किंतु इसे सरल से सरल प्रक्रिया द्वारा कैसे अपनाया जाए कैसे जीवन में उतारा जाए, कैसे अपने जीवन को खावलंबी बनाया जाए तथा कैसे अपने जीवन को पराश्रित होने से बचाया जाए इसकी शिक्षा दशलक्षण पर्व के इन्हीं दस दिनों में सीखने मिलती है। सहजता से जीवन जीने की कला ही धर्म है। और यह पर्व हमें यही कला सिखाता है।

बुराईयों को

नजरअंदाज करें

बुराईयों का व्यवहार के लिए चरित्र

बुराईयों का व्यवहार के लिए चरित्र